

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

परीक्षा धांधली में पैसों के खेल की आशंका ईडी ने दर्ज किया ईसीआईआर; विधानसभा घेराव के लिए निकले छात्र

झारखंड में प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं को लेकर चल रहे छात्र आंदोलन के बीच अब मामले में प्रवर्तन निदेशालय की भी एंट्री हो गई है। ईडी ने झारखंड लोक सेवा आयोग की 14वीं प्रारंभिक परीक्षा समेत अन्य परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों को लेकर ईसीआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

आर्थिक लेन-देन की भी होगी पड़ताल- ईसीआईआर दर्ज होने के बाद जांच का महत्वपूर्ण पहलू कथित धांधली से जुड़े पैसों के लेन-देन और वित्तीय गतिविधियों की पड़ताल होगा। हालांकि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि परीक्षा में गड़बड़ी के पीछे वास्तव में आर्थिक अपराध हुआ



है। ईडी की जांच के बाद ही धन के स्रोत और संभावित लाभार्थियों की तस्वीर स्पष्ट होगी।

16 दिन से आंदोलन कर रहे छात्र

झारखंड में परीक्षा और भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर छात्र पिछले 16 दिनों

से आंदोलन कर रहे हैं। सरकार और छात्रों के बीच रविवार को करीब छह घंटे तक बातचीत हुई, लेकिन गतिरोध खत्म नहीं हो सका। इसके बाद छात्रों ने आंदोलन जारी रखने का ऐलान किया। आज विधानसभा घेराव की तैयारी- बातचीत विफल रहने के बाद प्रदर्शनकारी छात्र आज

झारखंड विधानसभा के घेराव के लिए आगे बढ़े हैं। छात्रों की प्रमुख मांगों में परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों की निष्पक्ष जांच, दोषियों पर कार्रवाई और भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता शामिल है।

सरकार के सामने दोहरी चुनौती

एक तरफ छात्र सड़क पर आंदोलन तेज कर रहे हैं, दूसरी तरफ ईडी की जांच शुरू होने से परीक्षा विवाद का वित्तीय पहलू भी जांच के घेरे में आ गया है। सरकार ने पहले ही मामले में ईडी जांच की सिफारिश और त्वरित सुनवाई के लिए विशेष अदालत की दिशा में कदम उठाने की घोषणा की थी।

अब सबसे बड़ा सवाल

यही है कि क्या परीक्षा में कथित गड़बड़ी केवल प्रशासनिक लापरवाही थी या इसके पीछे संगठित आर्थिक नेटवर्क भी काम कर रहा था? ईडी की जांच और छात्रों के आंदोलन के बीच इस सवाल का जवाब आने वाले दिनों में सामने आ सकता है।

मुख्यमंत्री योगी की अगुवाई में गोरखपुर में भव्य तिरंगा यात्रा, 3 किलोमीटर तक दिखेगा देशभक्ति का रंग

गोरखपुर। स्वतंत्रता दिवस से पहले सोमवार को गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत आयोजित यह यात्रा करीब 3 किलोमीटर लंबी होगी।

रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा से शुरुआत

यात्रा की शुरुआत नगर निगम परिसर से होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद यात्रा का नेतृत्व करेंगे। इसके बाद यात्रा टाउन हॉल, गोलघर, गणेश चौक, काली मंदिर और यातायात तिराहा होते हुए रेलवे स्टेशन चौराहे के पास महाराणा प्रताप की प्रतिमा तक पहुंचेगी। घर-घर तिरंगा फहराने की अपील- यात्रा के माध्यम से मुख्यमंत्री लोगों से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने की अपील करेंगे। प्रदेश सरकार ने इस वर्ष करीब 5 करोड़ घरों पर तिरंगा फहराने का लक्ष्य रखा है। शहर में दिखेगा देशभक्ति का रंग-यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। राष्ट्रीय ध्वज के साथ निकलने वाली इस यात्रा से गोरखपुर में स्वतंत्रता दिवस से पहले देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश देने की तैयारी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गृह क्षेत्र गोरखपुर में आयोजित यह कार्यक्रम राजनीतिक और सामाजिक दोनों दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

दो साल बाद फिर खुलेगी आरजी कर दुष्कर्म हत्याकांड की फाइल, नए सिरे से होगी जांच

कोलकाता। आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की महिला चिकित्सक के दुष्कर्म और हत्या के मामले में दो साल बाद जांच का दायरा एक बार फिर बढ़ गया है। कलकत्ता उच्च न्यायालय पहले ही मामले में कथित साक्ष्य दबाने और जांच में गंभीर चूक के आरोपों की दोबारा पड़ताल के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की तीन सदस्यीय विशेष जांच टीम गठित करने का निर्देश दे चुका है।

मामला अगस्त 2024 का है, जब आरजी कर अस्पताल में प्रशिक्षु महिला चिकित्सक की दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई थी। घटना के बाद पूरे देश में विरोध प्रदर्शन हुए थे और जांच को लेकर कई गंभीर सवाल उठे थे।

मां की मांग के बाद न्याय की उम्मीद-मृतका की मां रत्ना देबनाथ अब भारतीय जनता पार्टी की विधायक हैं। उन्होंने लगातार अपनी बेटी के लिए न्याय और मामले से जुड़े सभी आरोपों की जांच की मांग उठाई है। मई 2026 में उन्होंने मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी से मुलाकात कर भी मामले में कार्रवाई की



मांग की थी। पुलिस अधिकारियों पर भी हुई कार्रवाई-मामले की शुरुआती जांच में कथित लापरवाही को लेकर पश्चिम बंगाल सरकार ने मई में तीन वरिष्ठ भारतीय पुलिस सेवा अधिकारियों को निलंबित किया था। इनमें तत्कालीन कोलकाता पुलिस आयुक्त विनीत गोयल भी शामिल थे। सरकार ने उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू करने की बात कही थी। जांच में क्या-क्या देखा जाएगा?- उच्च न्यायालय के निर्देश के अनुसार नई विशेष जांच टीम घटना की रात से लेकर अगले दिन शव के अंतिम संस्कार तक की घटनाओं की कड़ियों की जांच करेगी। कथित साक्ष्य से छेड़छाड़ और मामले को दबाने के प्रयासों के आरोप भी जांच के दायरे में हैं। अब फिर उठेंगे पुराने सवाल-नई जांच से यह पता लगाने की कोशिश होगी कि शुरुआती जांच में कहीं कोई महत्वपूर्ण तथ्य छूट तो नहीं गया और क्या साक्ष्यों के साथ किसी तरह की छेड़छाड़ हुई थी। ऐसे में दो साल पुराने इस मामले में एक बार फिर कई दबे सवाल सामने आने की संभावना है।

सरकारी कार्यक्रमों में तमिल वंदना अनिवार्य, तमिलनाडु विधानसभा में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित



मुख्यमंत्री विजय के प्रस्ताव को प्रमुख दलों का समर्थन, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी कार्यक्रमों में भी लागू होगा निर्णय चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा ने सोमवार, 10 अगस्त 2026 को राज्य के सभी सरकारी कार्यक्रमों की शुरुआत में 'तमिल ताई वाज्यु' का गायन अनिवार्य करने वाला प्रस्ताव पारित कर दिया। प्रस्ताव के अनुसार सरकारी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, सार्वजनिक उपक्रमों और अन्य सार्वजनिक संस्थानों में आयोजित आधिकारिक कार्यक्रमों में राज्य गीत को प्रमुख स्थान दिया जाएगा। यह प्रस्ताव मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने विधानसभा में रखा। प्रस्ताव को सत्तारूढ़ दल के साथ-साथ द्रमुक और अन्नाद्रमुक सहित प्रमुख राजनीतिक दलों का समर्थन मिला।

दो अधिकृत पेट्रोल पंप के बावजूद यूपी से डीजल-पेट्रोल लाकर अवैध बिक्री का आरोप, रिहायशी इलाकों में ईंधन भंडारण से खतरा

अतुल जैन

बामौर कलां में ड्रम-कैनियों में ज्वलनशील ईंधन रखने की शिकायत, नागरिकों ने कलेक्टर से जांच और एसपी से सीमा पर निगरानी बढ़ाने की मांग की

बामौर कलां। कस्बे में दो अधिकृत पेट्रोल पंप संचालित होने के बावजूद उत्तर प्रदेश से डीजल-पेट्रोल लाकर कथित रूप से अवैध तरीके से बेचने की शिकायतें सामने आई हैं। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि कुछ स्थानों पर ज्वलनशील ईंधन को सुरक्षा मानकों की अनदेखी करते हुए ड्रमों और कैनियों में भरकर रिहायशी इलाकों की दुकानों और मकानों में रखा जा रहा है। यदि इन आरोपों की पुष्टि होती है तो यह स्थिति गंभीर अग्नि सुरक्षा जोखिम पैदा कर सकती है। स्थानीय नागरिकों के मुताबिक, कथित तौर पर यूपी सीमा से कम कीमत पर डीजल-पेट्रोल लाकर बामौर कलां क्षेत्र में इसकी बिक्री की जा रही है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि इस तरह के कारोबार में ईंधन का भंडारण और वितरण निर्धारित सुरक्षा व्यवस्था के बिना किए जाने की आशंका है। रिहायशी क्षेत्र में पेट्रोल-डीजल का इस



तरह भंडारण होने से आग लगने की स्थिति में बड़ा हादसा हो सकता है।

(गूडर की आग की घटना का दिया हवाला)

क्षेत्रवासियों ने अपनी शिकायत में पास के गूडर गांव में ईंधन भंडारण से जुड़ी हालिया आग की घटना का भी हवाला दिया है। उनका कहना है कि इस घटना ने ज्वलनशील पदार्थों के असुरक्षित भंडारण के संभावित खतरे को सामने ला दिया है।

इसके बावजूद बामौर कलां में कथित अवैध ईंधन भंडारण और बिक्री की शिकायतों पर प्रभावी जांच, जल्दी और निगरानी की कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही है। हालांकि, गूडर की घटना में हुई जनहानि, बामौर कलां में अवैध रूप से रखे गए ईंधन की वास्तविक मात्रा और इस कारोबार में शामिल लोगों के संबंध में आधिकारिक पुष्टि अभी अपेक्षित है। ऐसे में शिकायतों की निष्पक्ष जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट

हो सकेगी।

(जांच दल गठित कर कार्रवाई की मांग)

नागरिकों ने शिवपुरी कलेक्टर से मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों की संयुक्त जांच टीम गठित करने की मांग की है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि टीम द्वारा कस्बे में ऐसे संभावित ठिकानों की जांच की जाए, जहां पेट्रोल-डीजल का अवैध भंडारण या बिक्री किए जाने की शिकायत है। साथ ही असुरक्षित तरीके से रखा गया ईंधन मिलने पर नियमानुसार जल्दी की कार्रवाई और अग्नि सुरक्षा मानकों की जांच कराई जाए।

(यूपी सीमा पर निगरानी बढ़ाने की अपील)

क्षेत्रवासियों ने शिवपुरी पुलिस अधीक्षक से भी यूपी सीमा से होने वाले कथित ईंधन परिवहन पर निगरानी बढ़ाने की मांग की है। नागरिकों का कहना है कि यदि बिना अनुमति या नियमों का उल्लंघन कर ईंधन का परिवहन और बिक्री की जा रही है तो संबंधित लोगों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। अब लोगों की नजर प्रशासन की जांच और कार्रवाई पर है। यदि शिकायतों में लगाए गए आरोप सही पाए जाते हैं तो रिहायशी क्षेत्रों में ज्वलनशील ईंधन के भंडारण को लेकर सुरक्षा के दृष्टिकोण से तत्काल कदम उठाना जरूरी होगा।

शासकीय तिलक महाविद्यालय में हुआ नवीन भवन निर्माण का भूमि पूजन विधायक श्री जायसवाल ने कहा-आधारभूत सुविधाओं के विस्तार से विद्यार्थियों को मिलेगा बेहतर शैक्षणिक वातावरण

नवल किशोर

कटनी। पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय तिलक स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कटनी में सोमवार को नवीन भवन निर्माण कार्य का विधिवत भूमि पूजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कटनी-मुड़वारा विधायक संदीप श्री प्रसाद जायसवाल उपस्थित रहे। भूमि पूजन कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुनील कुमार वाजपेई, इंजीनियर अभिराज पटेल, ठेकेदार इंद्रपाल निरंजन, अभय मिश्रा, डीजीएम मानवेंद्र सिंह, निर्माण कार्य संयोजक प्रो. व्ही. के. द्विवेदी, प्रशासनिक अधिकारी प्रो. माधुरी गर्ग, वाणिज्य संकाय प्रमुख डॉ. विनय वाजपेई, एनएसएस जिला संगठक डॉ. रुक्मिणी प्रताप सिंह सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक, अभियंता, छात्र-छात्राएं एवं महाविद्यालय परिवार के सदस्य मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय की सरस्वती रजक एवं कविता चौधरी ने सहभागिता करते हुए विधि-विधान से भूमि पूजन की प्रक्रिया संपन्न कराई। निर्माण कार्य से जुड़े अभियंताओं ने प्रस्तावित लागत 4 करोड़ 39 लाख नवीन भवन के संबंध में आवश्यक जानकारी भी उपस्थितजनों के साथ साझा की। इस अवसर पर विधायक श्री जायसवाल ने कहा कि नवीन भवन का निर्माण



विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक है।

नवीन भवन बनने से महाविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों को अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी बनाने में सहायता मिलेगी। विधायक ने निर्माण कार्य में गुणवत्ता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि

नवीन भवन के निर्माण से महाविद्यालय की शैक्षणिक एवं आधारभूत सुविधाओं का विस्तार होगा तथा विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सकेगा। साथ ही अकादमिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों के संचालन में भी सुविधा मिलेगी। महाविद्यालय परिवार ने नवीन भवन निर्माण कार्य के शुभारंभ को संस्थान के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उपस्थित अतिथियों, प्राध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं ने निर्माण कार्य के सफल एवं समयबद्ध पूर्ण होने की कामना की।

“हर घर तिरंगा” अभियान में अधिकतम जन भागीदारी के हों प्रयास - जिला पंचायत सीईओ

भारतीय ध्वज संहिता के नियमों का करें पालन, तिरंगे का न हो अपमान- सुश्री कौर

नवल किशोर

कटनी। राज्य सरकार और जिला प्रशासन के निर्देशों के मुताबिक जिला पंचायत सीईओ एवं हर घर तिरंगा अभियान की नोडल अधिकारी सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने हर घर तिरंगा अभियान में अधिक से अधिक जन समुदाय को जोड़ने के निर्देश समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को दिए हैं। सुश्री कौर द्वारा नागरिकों से ‘हर घर तिरंगा’ अभियान में उत्साहपूर्वक सहभागिता करने तथा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे को भारतीय ध्वज संहिता के प्रावधानों के अनुरूप सम्मानपूर्वक फहराने की अपील की है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक है। अभियान का उद्देश्य अधिक से अधिक नागरिकों को इससे जोड़ना और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जनभागीदारी को बढ़ावा देना है। उन्होंने शासकीय एवं निजी कार्यालयों, शैक्षणिक संस्थानों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों एवं अन्य संस्थाओं से भी अभियान में सहभागिता का आग्रह किया गया है। सुश्री कौर ने कहा है कि ऐसे

प्रयास किए जाएं कि जन प्रतिनिधियों और नागरिकों की सहभागिता उत्साह जनक हो। विगत वर्षों की भांति उत्साह और देशभक्ति के साथ स्वतंत्रता दिवस मनाया जाए। देश भक्ति से ओतप्रोत शासकीय कार्यक्रमों का आयोजन हों। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूरे होने का जश्न “हर घर तिरंगा” अभियान 2026 के साथ जोड़ते हुए मनाया जाए।

भारतीय ध्वज संहिता के नियमों का करें पालन, राष्ट्रीय ध्वज का न हो अपमान जिला पंचायत सीईओ सुश्री कौर ने 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस को अत्यंत हर्ष, उल्लास एवं देशभक्ति के जज्बे के साथ गरिमामयी कार्यक्रमों के आयोजन किए जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने आयोजित राष्ट्रीय समारोह के कार्यक्रमों



में जन प्रतिनिधियों और जन समुदाय की सहभागिता अधिक से अधिक कराए जाने को कहा है। सुश्री कौर ने हर घर तिरंगा अभियान एवं स्वतंत्रता दिवस आयोजन के समय राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराए जाने के दौरान भारतीय ध्वज संहिता के नियमों और प्रावधानों का पालन किए जाने को कहा है। उन्होंने कहा है कि राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान में किसी भी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए तथा किसी भी परिस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा का अपमान नहीं हो इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए।

कलारिया से सिंहासा शिव मंदिर तक निकली भव्य कांवड़ यात्रा, श्रद्धालुओं का किया स्वागत



आदित्य शर्मा

इंदौर। सावन माह के पावन अवसर पर आज ग्राम कलारिया से सिंहासा स्थित शिव मंदिर तक भव्य कांवड़ यात्रा निकाली गई। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

माताओं-बहनों, बच्चों, युवाओं एवं बुजुर्गों ने उत्साहपूर्वक कांवड़ यात्रा में भाग लेकर भगवान शिव के जयकारे लगाए। कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के स्वागत एवं सेवा के लिए शांति नगर चौराहे पर विशेष व्यवस्था की गई। इस दौरान अर्जुन भीम सिंह राठौड़, उपसरपंच ग्राम

पंचायत सिंहासा, अनिल परमार, असलम पटेल, नाथू चौहान, राहुल चौधरी एवं साजिद पटेल सहित अन्य लोगों द्वारा श्रद्धालुओं का आत्मीय स्वागत किया गया। श्रद्धालुओं के लिए अल्पाहार एवं जलपान की व्यवस्था भी की गई। आयोजकों एवं ग्रामीणों ने कांवड़ यात्रियों का पुष्प एवं आत्मीय

भाव से स्वागत करते हुए उनकी सेवा की। यात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से गूंज उठा। कांवड़ यात्रा में श्रद्धालुओं की भारी सहभागिता देखने को मिली। धार्मिक आस्था और भाईचारे के साथ निकली इस यात्रा ने क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण बना दिया।

अवैध रूप से एम.डी. ड्रग्स की तस्करी करने वाला आरोपी क्राइम ब्रांच इंदौर की गिरफ्त में

आरोपी के कब्जे से 103.55 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एम.डी. ड्रग्स एवं एक बिना नंबर की होंडा हॉर्नेट मोटरसाइकिल बरामद।

आदित्य शर्मा

इंदौर जप्त एम.डी. ड्रग्स की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 10,30,000/- रुपये एवं कुल मशरूका कीमत 11,80,000/- रुपये। आरोपी के विरुद्ध धारा 8/22 एन.डी.पी.एस. (NDPS) एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज। अपराध क्रमांक : 116/2026 दि. 09.08.2026 धारा : 8/22 स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम (NDPS Act)



है।

2. आरोपी शाहनवाज चूडियां बनाने का कार्य करता है।

जब्त मशरूका विवरण:

103.55 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एम.डी. ड्रग्स (कीमत लगभग 10,30,000/- रुपये) एक बिना नंबर की काले रंग की होंडा हॉर्नेट 125 सीसी मोटरसाइकिल (कीमत लगभग 1,50,000/- रुपये)

कुल मशरूका राशि : 11,80,000/- रुपये (ग्यारह लाख अस्सी हजार रुपये)

घटना का विवरण: इंदौर पुलिस कमिश्नरेट में अवैध मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त एवं नशा तस्करी के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने हेतु पुलिस आयुक्त इंदौर के निर्देशन में एवं मार्गदर्शन में क्राइम ब्रांच इंदौर द्वारा लगातार मुखबिर तंत्र सक्रिय रखते हुए सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 09.08.2026 को क्राइम ब्रांच टीम गश्त एवं पतारसी

के दौरान मेट्रो पिलर नं. 210 के पास, सर्विस रोड, सुपर कॉरिडोर इंदौर पर मौजूद थी। इसी दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति बिना नंबर की काले रंग की होंडा हॉर्नेट मोटरसाइकिल से आता हुआ दिखाई दिया। पुलिस बल को देखकर आरोपी घबराकर भागने का प्रयास करने लगा, जिससे मोटरसाइकिल फिसलने से वह गिर पड़ा।

घेराबंदी कर पकड़े गए संदेही से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम अयाज हुसैन पिता असलम हुसैन, निवासी इंदौर बताया। तलाशी के दौरान आरोपी की पैंट की बायीं जेब से एक पारदर्शी पन्नी में भूरे रंग का दरदरा डल्लेदार पदार्थ बरामद हुआ। परीक्षण व तौल करने पर उक्त पदार्थ 103.55 ग्राम अवैध मादक पदार्थ 'एम.डी. ड्रग्स' पाया गया। आरोपी के पास उक्त मादक पदार्थ रखने के संबंध में कोई वैध दस्तावेज या लाइसेंस नहीं पाए जाने पर थाना क्राइम ब्रांच इंदौर में अपराध क्रमांक 116/2026 धारा 8/22 NDPS एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। बाद गिरफ्तारी पूछताछ करने पर आरोपी की निशानदेही पर अन्य आरोपी शहनाज को पकड़ा गया।

मुख्य भूमिका

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी क्राइम ब्रांच के नेतृत्व में क्राइम ब्रांच इंदौर टीम की सराहनीय भूमिका रही। आरोपी से प्राप्त जानकारी के आधार पर प्रकरण में अन्य संलिप्त व्यक्तियों एवं अवैध मादक पदार्थों के नेटवर्क के संबंध में विस्तृत विवेचना जारी है

पद्मभूषण पं. गोकुलोत्सव जी महाराज को 'कलागुरु' सम्मान से किया सम्मानित

इंदौर। कला एवं साहित्य के क्षेत्र में अपने अतुलनीय योगदान के लिए पद्मभूषण पं. गोकुलोत्सव जी महाराज को संस्कार भारती-इंदौर महानगर द्वारा 'कलागुरु' सम्मान से सम्मानित किया गया। ज्ञात हो भारतीय शास्त्रीय संगीत हमारी अनंतकाल से चली आई गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न अंग रहा है। इस उच्चकोटि की रहस्यमयी ब्रह्मविद्या में विश्व पटल पर इंदौर का नाम रोशन करने वाले संगीत के सूर्य का नाम पद्मश्री गोकुलोत्सव महाराज है। उन्होंने भारतीय संगीत की सतत साधना, चिंतन और सेवा से न केवल भारत में बल्कि विदेशों में भी भारतीय संस्कृति और संगीत को गौरवान्वित किया है। उस्ताद आमीर खां से प्रभावित होकर उन्होंने उनकी शैली में हवेली संगीत को अपनाया। इसके साथ ही अपनी शैली सर्वांग्य गायिकी भी बनाई। ध्रुपद के गायन के दौरान उन्होंने पाया कि यह बीजाक्षर मंत्रों की तरह प्रभाव रखते हैं। यह अपना खास स्वरूप बनाते हैं और इसका जीवन में सार्थक प्रभाव भी पड़ता है। उनकी इस सार्थक यात्रा के लिए पद्मभूषण, पद्मश्री, राष्ट्रीय तानसेन अवार्ड, प्रेसिडेंट अवार्ड सहित कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।



से अधिक शिष्यों को संगीत की शिक्षा दे चुके हैं। आज भी आनलाइन शास्त्रीय संगीत की शिक्षा दे रहे हैं। संगीत की प्रेरणा उन्हें अपने पिता से मिली। शास्त्रीय संगीत के सूर्य के रूप में पहचाने जाने वाले

गोकुलोत्सव महाराज बहुमुखी प्रतिभा के धनी व्यक्ति हैं। वे वेदों के साथ यूनानी और आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के भी जानकार हैं। उनका संस्कृत, फारसी, उर्दू, अरबी, ब्रज, अवधि, गुजराती भाषा पर भी समान अधिकार है। इन सबके साथ पुष्टिमार्गीय वल्लभाचार्य संप्रदाय के आचार्य भी हैं। संस्कार भारती की ओर से जारी सम्मान-पत्र में कहा गया कि गोकुलोत्सव जी महाराज की कठोर साधना, अथक परिश्रम और अद्वितीय प्रतिभा ने कला जगत को समृद्ध किया है। उन्होंने अपनी कला को उत्कृष्टता के उच्चतम शिखर तक पहुँचाने के साथ ही अनेक कला-साधकों को प्रेरणा, दिशा और आत्मविश्वास प्रदान किया है। सम्मान-पत्र में उनके ज्ञान, अनुभव एवं स्नेहपूर्ण मार्गदर्शन को भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण बताया गया। संस्कार भारती-इंदौर महानगर ने उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं निरंतर सृजनशीलता की कामना की। संस्कार भारती-इंदौर महानगर द्वारा प्रदान किया गया यह सम्मान कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में उनके योगदान के प्रति विशेष आदर और सम्मान का प्रतीक है।

कार्य/शिक्षा

1. आरोपी अयाज कक्षा 8 तक शिक्षित है तथा मजदूरी का कार्य करता

सहजयोग: पंचतत्त्वों के सूक्ष्म जागरण से व्यक्तित्व का दिव्य रूपांतरण

सहजयोग में श्री माताजी की अनुकम्पा से कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्ति के पश्चात जिन पंचतत्त्वों से हम बने हैं, चैतन्य लहरियाँ उन तत्त्वों के सूक्ष्म तत्त्व से हमें जोड़ने लगती हैं।

यह बड़ी सूक्ष्म बात है, इसकी सूक्ष्मता हमें समझनी चाहिए। श्री माताजी के अनुसार, प्रकाश अभिव्यक्त होने वाला प्रथम तत्त्व है और उसका सूक्ष्म तत्त्व है तेज, आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होने के पश्चात व्यक्ति (गहन सहजयोगी) का मुखमण्डल तेजोमय हो उठता है। स्थूल वायु का सूक्ष्म तत्त्व आपको प्राप्त होने वाली शीतल चैतन्य लहरियाँ हैं। आत्म साक्षात्कार के बाद आप केवल



लहरियाँ ही नहीं प्राप्त करते, शीतलता का भी अनुभव करते हैं। जल तत्त्व

सूक्ष्म रूप में जब अभिव्यक्ति होता है तो वह सहजयोगी की कठोर त्वचा को कोमल करता है, उनके अंदर का जल ही उनके चेहरे की त्वचा को चमक और पोषण प्रदान करता है। इसी के साथ आत्मसाक्षात्कारी व्यक्ति अत्यन्त मृदु और विनम्र हो जाते हैं। आप में अग्नि भी है परन्तु यह अत्यन्त शान्त अग्नि है।

यह किसी अन्य को नहीं जलाती, आपके अंदर बुराइयों को और आपके माध्यम से अन्य लोगों की बुराइयों को आपकी यह अग्नि जला देती है। यदि आप पूर्णतः विकसित सहजयोगी हैं तो अग्नि आपको कभी नहीं जलाएगी क्योंकि अग्नि तत्त्व का सार आपको प्राप्त हो जाता है। पृथ्वी माँ है। पृथ्वी की बहुत सी

सूक्ष्मताएं हममें आ जाती हैं। इनमें से एक गुरुत्वाकर्षण है। गुरुत्वाकर्षण की अभिव्यक्ति से व्यक्ति अत्यन्त आकर्षक हो जाता है। पृथ्वी माँ की तरह हम भी अत्यन्त सहनशील और धैर्यवान बनने लगते हैं। आपके अन्दर आकाश तत्त्व भी कार्य करने लगता है, यह आपके चित्त के माध्यम से कार्य करता है चित्त डालने के लिए आपको मुझसे नहीं कहना पड़ता, आप स्वयं चित्त डालिए, और कार्य हो जाएगा। [२५-१२-१९९८] सहजयोग से संबंधित जानकारी निम्न साधनों से प्राप्त कर सकते हैं। यह पूर्णतया निशुल्क है। टोल फ्री नं - 1800 2700 800 बेवसाइट - sahajayoga.org.in

नवीन भाजपा कार्यालय के निर्माण कार्य हेतु सांसद लालवानी ने पानी का टैंकर दिया

इंदौर-सांसद शंकर लालवानी द्वारा नवीन भाजपा कार्यालय के निर्माण कार्य की प्रगति को देखते हुए कार्यालय के लिए एक पानी का टैंकर प्रदान किया गया। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि मोहन सिंह कछावा, राम स्वरूप गहलोत, हेमचंद्र मित्तल, घनश्याम नारोलिया, शिवनारायण डिंगू, दीपक यादव, लक्ष्मीनारायण रावलिया, सुभाष पाटीदार, चंकी शर्मा सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



दैनिक राजजीत टाइम्स

जिला एवं तहसील स्तर पर एजेंसी देना है

अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें सम्पर्क करें

8224951278 :: 9827068888

ड्रग्स के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई, 2029 की डेडलाइन के अनुरूप सरकार कर रही काम: मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव

राजेश धाकड़

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को इंदौर पहुंचे। वे ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित न्यायाधीशों के पश्चिमी जोन क्षेत्रीय सम्मेलन में शामिल हुए। इंदौर एयरपोर्ट पर मीडिया से चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेश में नशे और ड्रग्स के अवैध कारोबार के खिलाफ सरकार की कार्रवाई को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी दी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ड्रग्स और



नशे के खिलाफ निर्धारित वर्ष 2029 की डेडलाइन के अनुरूप मध्यप्रदेश सरकार पूरी तत्परता के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि नशे के अवैध कारोबार को समाप्त करने के लिए प्रदेश पुलिस आसपास के सात राज्यों के साथ समन्वय स्थापित कर लगातार कार्रवाई

कर रही है। उन्होंने बताया कि ड्रग्स के बड़े कारोबारियों, अवैध नेटवर्क और सिंडिकेट के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कई महत्वपूर्ण सफलताएं हासिल की गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे का कारोबार किसी एक राज्य तक सीमित नहीं है, इसलिए इसके खिलाफ

अंतरराज्यीय स्तर पर समन्वित और प्रभावी कार्रवाई आवश्यक है।

छोटी खेप नहीं, पूरे नेटवर्क तक पहुंचने का लक्ष्य मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार का उद्देश्य केवल नशे की छोटी-मोटी खेप पकड़ना नहीं है, बल्कि ड्रग्स के पूरे नेटवर्क और नशा माफिया की जड़ों तक पहुंचकर उसे समाप्त करना है। उन्होंने कहा कि पुलिस और संबंधित एजेंसियां ड्रग्स के अवैध कारोबार से जुड़े बड़े नेटवर्क पर लगातार कार्रवाई कर रही हैं। डॉ. यादव ने प्रदेश में नक्सलवाद के खिलाफ मिली सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि जिस तरह मध्यप्रदेश में नक्सलवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई कर सफलता हासिल की गई है, उसी तरह नशे और ड्रग्स के खिलाफ भी निर्णायक लड़ाई लड़ी जाएगी।

युवाओं को नशे से बचाना सरकार

की प्राथमिकता- मुख्यमंत्री ने कहा कि नशे के सबसे गंभीर दुष्प्रभाव युवाओं पर पड़ते हैं। सरकार की प्राथमिकता है कि प्रदेश का युवा नशे की गिरफ्त में न आए और उसे सुरक्षित, स्वस्थ एवं सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ अभियान को आने वाले समय में और तेज किया जाएगा। ड्रग्स और नशा माफिया के खिलाफ कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

सरकार का संकल्प है कि मध्यप्रदेश को नशामुक्त बनाने की दिशा में पूरी ताकत से काम किया जाए और नशे के अवैध कारोबार को जड़ से समाप्त किया जाए। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि निर्धारित वर्ष 2029 की डेडलाइन तक नशे और ड्रग्स के अवैध कारोबार के खिलाफ प्रभावी परिणाम हासिल किए जाएंगे।

सत्यनारायण भगवान की पूजा और व्रत, व्रत का महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार सत्यनारायण व्रत श्रद्धा और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। भक्त भगवान से परिवार की सुख-शांति, आरोग्य, समृद्धि और मनोकामनाओं की पूर्ति की प्रार्थना करते हैं। विवाह, गृह प्रवेश, संतान से जुड़े शुभ अवसरों तथा किसी नए कार्य की शुरुआत पर भी सत्यनारायण पूजा कराने की परंपरा है।

पूजा विधि-सुबह स्नान करके स्वच्छ वस्त्र धारण करें और पूजा स्थान को साफ करें। चौकी पर पीला या लाल वस्त्र बिछाकर भगवान सत्यनारायण भगवान विष्णु की प्रतिमा या चित्र स्थापित करें। पास में जल से भरा कलश रखें और उस पर आम के पत्ते व नारियल स्थापित करें। सबसे पहले गणेश जी का पूजन करें। इसके बाद भगवान सत्यनारायण का ध्यान और आवाहन कर उन्हें अक्षत, चंदन, रोली, पुष्प, तुलसी दल, धूप और दीप अर्पित करें। पंचामृत से पूजन कर फल तथा भोग अर्पित करें। फिर परिवार सहित सत्यनारायण व्रत कथा के पांच अध्यायों का श्रद्धापूर्वक पाठ या श्रवण करें। अंत में भगवान की आरती करके क्षमा-प्रार्थना करें और प्रसाद सभी लोगों में बांटें।

भोग (प्रसाद), पूजा सामग्री, भगवान सत्यनारायण/विष्णु जी की प्रतिमा या चित्र चौकी और पीला या लाल वस्त्र कलश, जल, नारियल और आम के पत्ते रोली, अक्षत, चंदन और मौली फूल एवं फूलमाता तुलसी दल, धूप, दीप, कपूर और धी, पान, सुपारी, लौंग और इलायची, दूध, दही, घी, शहद और शक्कर से पंचामृत केले तथा अन्य मौसमी फल, प्रसाद के लिए सुजी/गेहूँ का आटा, घी, दूध, चीनी आदि दक्षिणा और सत्यनारायण व्रत

कथा की पुस्तक, मंत्र मनोकामनाओं की पूर्ति: श्रद्धापूर्वक व्रत करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होने की मान्यता है। संकटों से मुक्ति: जीवन के कष्ट, बाधाएं और नकारात्मक प्रभाव दूर होते हैं। पूजा के दौरान भगवान विष्णु का यह प्रसिद्ध मंत्र जपा जा सकता है: ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ भगवान सत्यनारायण के पूजन में सरल रूप से यह नाम-मंत्र भी बोला जाता है: ॐ श्री सत्यनारायणाय नमः ॥ TYP का जाप श्रद्धा और एकाग्रता हमें अपनी सामर्थ्य के अनुसार किया जा सकता है।

व्रत के लाभ- स्वास्थ्य लाभ: आरोग्य और मानसिक शांति की प्राप्ति होती है। पारिवारिक सुख: परिवार में प्रेम, एकता और सद्भाव बना रहता है। सत्यनारायण पूजा में केला, दूध, घी, चीनी/शक्कर और गेहूँ के आटे या सूजी से तैयार प्रसाद चढ़ाने की परंपरा अलग-अलग क्षेत्रों और परिवारों में मिलती है। इसके अलावा पंचामृत, तुलसी दल और मौसमी फल अर्पित किए जा सकते हैं। भोग साविक रखें और उसमें प्याज-लहसुन का प्रयोग न करें। पूजा और कथा पूरी होने के बाद प्रसाद परिवार तथा उपस्थित लोगों

में श्रद्धापूर्वक वितरित करें। धन-वैभव की प्राप्ति: भगवान की कृपा से धन, वैभव, सौभाग्य और उन्नति प्राप्त होती है। सदाचार और सत्य का मार्ग: यह व्रत साथ बोलने, दान करने और भगवान के प्रति लता यह पूजा श्रद्धा, सत्य, दान, प्रसाद वितरण और भगवान के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है सत्यनारायण भगवान की कृपा से आपके जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और मंगल बना रहे। भगवान सत्यनारायण भगवान विष्णु के ही एक पूजनीय स्वरूप माने जाते हैं। सत्यनारायण पूजा में भगवान विष्णु की आराधना, व्रत-कथा का श्रवण, नैवेद्य अर्पण और आरती का विशेष महत्व है। यह पूजा प्रायः परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और मंगल की कामना से की जाती है। पूर्णिमा के दिन यह पूजा विशेष रूप से प्रचलित है, हालांकि श्रद्धालु शुभ अवसर पर अन्य दिनों में भी कर सकते हैं।

11 अगस्त-सावन शिवरात्रि 2026

सावन शिवरात्रि- सावन शिवरात्रि भगवान शिव को समर्पित एक अत्यंत पावन व्रत है जो श्रावण माह की कृष्ण पक्ष चतुर्दशी तिथि को मनाया जाता है। इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की विधिवत पूजा-अर्चना करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और जीवन में सुख-शांति, आरोग्य और समृद्धि का वास होता है। इस दिन शिवलिंग पर जल, दूध, दही, शहद, घी और गंगाजल से अभिषेक करें, बेलपत्र, धतुरा, भांग, आक के फूल अर्पित करें और रात्रि जागरण कर “ॐ नमः शिवाय” मंत्र का जाप करें। इससे सभी कष्ट दूर होते हैं और शिव कृपा सदैव बनी रहती है।

॥ ॐ नमः शिवाय ॥- सावन का महीना

भगवान शिव को समर्पित माना जाता है। इस पूरे महीने में महादेव की पूजा, जलाभिषेक और शिवलिंग पर बेलपत्र चढ़ाने का विशेष महत्व बताया गया है। सावन में आने वाली शिवरात्रि का महत्व भी बहुत अधिक होता है। इस दिन शिव भक्त व्रत रखते हैं और रात में जागकर भगवान शिव की पूजा करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, सावन शिवरात्रि पर श्रद्धा से की गई पूजा से भगवान शिव जल्दी प्रसन्न होते हैं और भक्तों को हर मनोकामनाएं पूरी होने का आशीर्वाद देते हैं।

11 या 12 अगस्त कब मनाई जाएगी शिवरात्रि?- पंचांग के अनुसार, कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि 11 अगस्त 2026 को सुबह 4 बजकर 53 मिनट पर शुरू होगी और 12 अगस्त को देर रात 1 बजकर 51 मिनट पर समाप्त होगी। चूंकि शिवरात्रि में रात के समय चतुर्दशी तिथि का होना विशेष माना जाता है, इसलिए इस बार सावन शिवरात्रि 11 अगस्त को मनाई जाएगी। इसी दिन व्रत रखना और रात में भगवान शिव की पूजा करना शुभ रहेगा।

आचार्य पं सागर शास्त्री
हरि ओम ज्योतिष एवं वास्तु केंद्र
9691225223



हिन्दू रक्षक संगठन की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न, आगामी कार्यक्रमों को लेकर हुआ वैचारिक मंथन

आदित्य शर्मा

इंदौर। माँ भारती के श्रीचरणों में नमन एवं हिन्दू रक्षक संगठन के संस्थापक तथा हिन्दू राष्ट्रवाद के प्रखर प्रहरी ब्रह्मलीन श्रद्धेय श्री लक्ष्मणसिंह जी गौड़ के पावन स्मरण के साथ हिन्दू रक्षक संगठन की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई।

लोकप्रिय विधायक एवं पूर्व महापौर श्रीमती मालिनी लक्ष्मणसिंह जी गौड़ के मार्गदर्शन तथा हिन्दू रक्षक संगठन के वरिष्ठ श्री वीरेंद्र जी शेंडगे की उपस्थिति में आयोजित बैठक में संगठन के कार्यकर्ताओं ने आगामी कार्यक्रमों, संगठनात्मक गतिविधियों एवं समाजहित से जुड़े विभिन्न विषयों



पर सार्थक वैचारिक मंथन किया। बैठक के दौरान राष्ट्र, धर्म एवं समाज के प्रति संगठन के दायित्वों को और अधिक प्रभावी एवं गति प्रदान करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने तथा संगठन



की गतिविधियों को मजबूत करने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने संगठन के संस्थापक ब्रह्मलीन श्रद्धेय लक्ष्मणसिंह जी गौड़ के विचारों एवं आदर्शों को आत्मसात करते हुए राष्ट्र एवं समाजहित में निरंतर कार्य करने का संकल्प दोहराया।

एक माह से लापता नाबालिग बालिका जबलपुर के ग्वारीघाट से सकुशल दस्तयाब, परिजनों से मिलाया कोतवाली पुलिस

नवल किशोर

कटनी। ऑपरेशन मुस्कान के तहत कोतवाली पुलिस ने करीब एक माह से लापता नाबालिग बालिका को जबलपुर के ग्वारीघाट क्षेत्र से सकुशल दस्तयाब कर लिया। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद बालिका को उसके परिजनों से मिलाने की प्रक्रिया पूरी की। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देश पर नाबालिग बालक-बालिकाओं की गुमशुदगी के मामलों में संवेदनशीलता एवं तत्परता से कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 8 जुलाई को कैलवारा खुर्द निवासी महिला ने कोतवाली थाने में अपनी नाबालिग पुत्री के घर से बिना बताए चले जाने की शिकायत दर्ज कराई थी। परिजनों ने किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने की आशंका भी जताई थी। मामले में अपराध क्रमांक 735/2026 के तहत धारा 137(2) भारतीय न्याय संहिता में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस टीम ने बालिका के परिजनों एवं परिचितों से पूछताछ कर संभावित स्थानों पर तलाश की। तकनीकी सहायता और मुखबिर तंत्र के माध्यम से जानकारी जुटाई



गई। इसी दौरान बालिका के जबलपुर स्थित ग्वारीघाट क्षेत्र में होने की सूचना मिली। सूचना की पुष्टि के बाद पुलिस टीम जबलपुर पहुंची और बालिका को सकुशल कटनी लेकर आई। थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक राखी पाण्डेय एवं बस स्टैंड चौकी प्रभारी उप निरीक्षक नेहा मोर्य ने बालिका की संवेदनशीलता के साथ काउंसलिंग की। बालिका ने घर से नाराज होकर चले जाने की बात बताई तथा किसी अप्रिय घटना से इनकार किया। बालिका को आवश्यक वैधानिक एवं न्यायालयीन प्रक्रिया के तहत न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मोर्य के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी राखी पाण्डेय, चौकी प्रभारी नेहा मोर्य एवं सहायक उप निरीक्षक दीपेन्द्र शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मुख्यमंत्री फडणवीस से तुकाराम मुंडे की 'रक्षा' की अपील ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी को बार-बार हटाने पर उठे सवाल, जनता बोली-ऐसे अफसरों का मनोबल मत तोड़िए

मुंबई। महाराष्ट्र के चर्चित आईएएस अधिकारी तुकाराम मुंडे एक बार फिर चर्चा के केंद्र में हैं। कड़क प्रशासनिक कार्यशैली, अनुशासन और नियमों के पालन के लिए पहचाने जाने वाले मुंडे के लगातार तबादलों और जिम्मेदारियां हटाए जाने को लेकर अब मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से उनके संरक्षण की अपील की जा रही है। मुंडे की सेवा के दौरान बार-बार तबादले होते रहे हैं। मई 2026 में उनकी एक बार फिर बदली की खबर सामने आई थी। रिपोर्ट के अनुसार, 21 वर्ष की सेवा में उनकी तबादलों की संख्या 25 तक पहुंच गई थी।

कार्रवाई की रफ्तार ने बढ़ाई चर्चा

मुंडे वर्तमान में खाद्य एवं औषधि प्रशासन से जुड़ी कार्रवाई को लेकर भी सुर्खियों में रहे हैं। जून में मिलावट के खिलाफ उनकी कार्रवाई का विरोध भी सामने आया था, जबकि दूसरी ओर उनके समर्थकों ने इसे मिलावटखोरों के खिलाफ कड़ा अभियान बताया। जुलाई की रिपोर्टों में भी उन्हें खाद्य एवं औषधि प्रशासन के आयुक्त के रूप में सक्रिय बताया गया और उनकी कार्यशैली को लेकर चर्चा जारी रही।

सवाल सरकार से

मुंडे को लेकर उठ रही बहस का सबसे बड़ा सवाल यही है—क्या ईमानदारी से काम करने वाले अधिकारी को राजनीतिक और प्रशासनिक दबाव से बचाना सरकार की जिम्मेदारी नहीं है? यदि कोई अधिकारी नियमों के अनुसार कार्रवाई करता है तो उसका स्थानांतरण प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा हो सकता है। लेकिन यदि बार-बार स्थानांतरण ही उसकी पहचान बन जाए, तो इससे पूरे प्रशासनिक तंत्र में गलत संदेश जाने की आशंका पैदा होती है।



जनता की नजर मुख्यमंत्री पर

मुंडे के समर्थन में सार्वजनिक प्रतिक्रियाएं भी देखने को मिल रही हैं। हाल में पुणे में उनके एक कार्यक्रम को लेकर सामाजिक माध्यमों पर लोगों ने उनके प्रति समर्थन और सम्मान व्यक्त किया। ऐसे में अब निगाह मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर है। सवाल यह है कि क्या सरकार मुंडे जैसे अधिकारियों को स्वतंत्र रूप से काम करने का पर्याप्त अवसर देगी या फिर प्रशासनिक फेरबदल का सिलसिला जारी रहेगा?

बड़ा सवाल यही है—सरकार को अधिकारी चाहिए या व्यवस्था के अनुसार चलने वाले अधिकारी? मुंडे जैसे अधिकारियों का मनोबल केवल एक व्यक्ति का मामला नहीं है। यह पूरे प्रशासनिक तंत्र में ईमानदार और नियम आधारित कार्यसंस्कृति के भविष्य से जुड़ा सवाल है।

17 साल के प्रणव को ब्राउन विश्वविद्यालय में 3.55 करोड़ रुपये की पूर्ण छात्रवृत्ति

चार साल की पढ़ाई का पूरा खर्च मिला, भारतीय छात्र ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हासिल की बड़ी उपलब्धि नई दिल्ली। भारत के 17 वर्षीय छात्र प्रणव ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर अमेरिका के प्रतिष्ठित ब्राउन विश्वविद्यालय में प्रवेश हासिल कर बड़ी उपलब्धि दर्ज की है। खास बात यह है कि विश्वविद्यालय ने उसे चार वर्षों की पढ़ाई के लिए करीब 3.55 करोड़ रुपये की पूर्ण छात्रवृत्ति प्रदान की है। इस छात्रवृत्ति के तहत प्रणव की चार वर्ष की शिक्षा से जुड़े प्रमुख खर्चों को कवर किया जाएगा। इतनी बड़ी आर्थिक सहायता मिलना न केवल उसके परिवार के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है, बल्कि विदेश में उच्च शिक्षा का सपना देखने वाले भारतीय विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा है।

कम उम्र में बड़ी उपलब्धि—महज 17 वर्ष की उम्र में प्रतिष्ठित अमेरिकी विश्वविद्यालय में प्रवेश और पूर्ण छात्रवृत्ति हासिल करना प्रणव की शैक्षणिक क्षमता को दर्शाता है। ब्राउन विश्वविद्यालय दुनिया के प्रमुख उच्च शिक्षण संस्थानों में शामिल है और यहां प्रवेश की प्रक्रिया अत्यंत प्रतिस्पर्धी मानी जाती है। प्रणव की उपलब्धि यह संदेश देती है कि प्रतिभा, निरंतर मेहनत और सही दिशा में तैयारी के दम पर भारतीय विद्यार्थी वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं।

चार साल की पढ़ाई का खर्च विश्वविद्यालय उठाएगा—प्रणव को मिली



लगभग 3.55 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति चार वर्षों के लिए है। इसका उद्देश्य उसकी शिक्षा से जुड़े बड़े आर्थिक बोझ को कम करना है, जिससे वह आर्थिक चिंताओं से अपेक्षाकृत मुक्त होकर अपनी पढ़ाई और शोध पर ध्यान केंद्रित कर सके। विदेशी विश्वविद्यालयों में पढ़ाई, आवास और अन्य खर्च काफी अधिक होने के कारण इस प्रकार की पूर्ण छात्रवृत्ति विद्यार्थियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होती है।

दूसरे विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा प्रणव की सफलता उन भारतीय विद्यार्थियों के लिए खास संदेश है जो विदेश के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में पढ़ाई का सपना देखते हैं, लेकिन भारी फीस के कारण पीछे हट जाते हैं। यह उपलब्धि बताती है कि केवल आर्थिक संसाधन ही सफलता की शर्त नहीं हैं। उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन, प्रतिभा, उपलब्धियां और मजबूत आवेदन के आधार पर विद्यार्थी बड़ी छात्रवृत्तियां हासिल कर सकते हैं। 17 साल की उम्र में प्रणव की यह उपलब्धि भारतीय युवाओं के लिए उम्मीद और प्रेरणा की एक नई कहानी बनकर सामने आई है।

संसद परिसर में ही रील्स का बढ़ा चलन, राहुल गांधी बोले थे—'21वीं सदी का नशा'

नई दिल्ली। संसद परिसर में सांसदों द्वारा रील्स और वीडियो बनाने का चलन लगातार चर्चा में है। जहां कांग्रेस नेता सोशल मीडिया पर रील्स की बढ़ती लत को पहले ही '21वीं सदी का नशा' बता चुके हैं, वहीं संसद के मानसून सत्र के दौरान कई सांसदों के परिसर में वीडियो बनाने के मामले सामने आए हैं।

संसद परिसर बना वीडियो का मंच?

सांसदों के लिए संसद परिसर राजनीतिक गतिविधियों, बैठकों और जनप्रतिनिधियों के संवाद का प्रमुख स्थान है। लेकिन सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के बीच कुछ सांसद यहां अपने मोबाइल फोन से छोटे वीडियो बनाकर उन्हें सामाजिक माध्यमों पर साझा करते नजर आते हैं। इन वीडियो में सांसद कभी राजनीतिक मुद्दों पर अपनी बात रखते हैं तो कभी हल्के-फुल्के अंदाज में सामग्री तैयार करते दिखाई देते हैं। इससे यह सवाल भी उठ रहा है कि क्या संसद परिसर जैसे संवेदनशील और गरिमापूर्ण स्थान को सामाजिक माध्यमों की सामग्री



बनाने के लिए इस्तेमाल करना उचित है?

राहुल गांधी ने रील्स पर जताई थी चिंता—राहुल गांधी रील्स की बढ़ती लोकप्रियता को लेकर चिंता जाहिर कर चुके हैं। उनका कहना रहा है

कि लगातार छोटी-छोटी वीडियो सामग्री देखने की आदत युवाओं के ध्यान और सोचने की क्षमता को प्रभावित कर सकती है। इसी संदर्भ में उन्होंने इसे '21वीं सदी का नशा' कहा था।

सांसदों के लिए सवाल अलग क्यों?—सांसद देश की जनता के प्रतिनिधि होते हैं। ऐसे में उनके व्यवहार पर आम लोगों की नजर रहती है। समर्थकों का तर्क है कि सामाजिक माध्यमों के जरिए सांसद सीधे जनता तक अपनी बात पहुंचा सकते हैं और युवा मतदाताओं से संवाद का यह प्रभावी माध्यम है। वहीं आलोचकों का कहना है कि संसद परिसर की गरिमा और कार्य की गंभीरता को बनाए रखना भी जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी है। राजनीतिक संदेश देने और मनोरंजन के लिए रील बनाने के बीच अंतर बनाए रखना जरूरी है।

सोशल मीडिया और राजनीति का नया दौर

सामाजिक माध्यम अब राजनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। सांसद अपने विचार, संसदीय गतिविधियां और क्षेत्र से जुड़े मुद्दे जनता तक पहुंचाने के लिए वीडियो का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में चुनौती यह है कि तकनीक का उपयोग जनसंवाद के लिए हो, लेकिन संसद की गरिमा भी कायम रहे।

5 साल में 40 करोड़ लोगों को एनपीएस से जोड़ने की तैयारी, आपके लिए क्या बदलेगा?

नई दिल्ली। राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने की योजना पर जोर दिया जा रहा है। इसका उद्देश्य इसे केवल सरकारी कर्मचारियों या नियमित वेतन पाने वाले लोगों तक सीमित रखने के बजाय निजी क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों, छोटे कारोबारियों, स्वरोजगार करने वालों और अन्य लोगों तक पहुंचाना है।

बड़ी संख्या में लोगों को जोड़ने का लक्ष्य

योजना के तहत अगले पांच वर्षों में करीब 40 करोड़ लोगों को राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली से जोड़ने का लक्ष्य बताया जा रहा है। यदि यह लक्ष्य हासिल होता है तो देश में सेवानिवृत्ति के लिए नियमित बचत करने वालों की संख्या में बड़ी वृद्धि हो सकती है।

निजी क्षेत्र और स्वरोजगार वालों पर जोर

निजी कंपनियों में काम करने वाले कर्मचारियों के अलावा छोटे कारोबारी, दुकानदार, पेशेवर और स्वरोजगार करने वाले लोग भी पेंशन व्यवस्था का हिस्सा बन सकते हैं। ऐसे लोगों के लिए नियमित रूप से छोटी राशि जमा करके भविष्य के लिए पेंशन कोष तैयार करने

का विकल्प महत्वपूर्ण हो सकता है।

आपके लिए क्या बदलेगा?

राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली का विस्तार होने पर लोगों को सेवानिवृत्ति के लिए पहले से बचत करने का अवसर मिलेगा। नियमित निवेश लंबे समय में बड़ा कोष तैयार करने में मदद कर सकता है। हालांकि इसमें मिलने वाला अंतिम लाभ निवेश की अवधि, योगदान की राशि और योजना के निवेश प्रदर्शन पर निर्भर करता है।

युवाओं के लिए ज्यादा महत्वपूर्ण

कम उम्र में पेंशन योजना में निवेश शुरू करने से लंबे समय तक धन जमा करने का अवसर मिलता है। इससे सेवानिवृत्ति के समय वित्तीय सुरक्षा के लिए अलग से कोष तैयार किया जा सकता है।

निवेश से पहले नियम समझना जरूरी- राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली में निवेश करने से पहले निकासी के नियम, कर लाभ, शुल्क, निवेश विकल्प और सेवानिवृत्ति के समय मिलने वाली राशि से जुड़े नियमों को समझना जरूरी है। केवल सरकारी लक्ष्य बढ़ने का मतलब यह नहीं है कि हर व्यक्ति के लिए यही सबसे उपयुक्त निवेश विकल्प होगा।

कोटक बैंक ने शुरू किया हाइब्रिड होम लोन, 65 महीने तक ब्याज और ईएमआई रहेगी तय

नई दिल्ली। घर खरीदने या बनाने की योजना बना रहे ग्राहकों के लिए कोटक बैंक ने हाइब्रिड होम लोन की सुविधा शुरू की है। इस योजना के तहत ग्राहक अपने गृह ऋण की ब्याज दर और मासिक किस्त को शुरुआती 65 महीनों तक तय रख सकेंगे। बैंक का कहना है कि इससे ग्राहकों को ऋण की शुरुआती अवधि में मासिक खर्च की बेहतर योजना बनाने में मदद मिलेगी।

65 महीने तक ब्याज दर लॉक करने की सुविधा- हाइब्रिड गृह ऋण में ऋण की शुरुआती अवधि के दौरान ब्याज दर तय रहने का विकल्प दिया गया है। इससे बाजार में ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव होने की स्थिति में शुरुआती वर्षों में ग्राहक की मासिक किस्त पर तत्काल असर नहीं पड़ेगा।

घर के बजट की बेहतर योजना

गृह ऋण आमतौर पर लंबी अवधि का वित्तीय दायित्व होता है। ऐसे में शुरुआती वर्षों में मासिक किस्त पहले से निर्धारित

होने पर ग्राहक अपने घरेलू बजट, बचत और अन्य खर्चों की बेहतर योजना बना सकते हैं।

इसके बाद बदल सकती है ब्याज दर- हाइब्रिड ऋण की खासियत यह है कि निश्चित अवधि समाप्त होने के बाद ऋण की ब्याज दर संबंधित ऋण समझौते की शर्तों के अनुसार बदल सकती है। इसलिए ऋण लेने से पहले ग्राहक को निश्चित अवधि के बाद लागू होने वाली ब्याज दर, शुल्क, ऋण अवधि और अन्य नियमों को अच्छी तरह समझ लेना चाहिए। किन ग्राहकों के लिए उपयोगी?- यह सुविधा उन लोगों के लिए उपयोगी हो सकती है जो गृह ऋण की शुरुआती अवधि में मासिक किस्त को स्थिर रखना चाहते हैं और ब्याज दरों में संभावित उतार-चढ़ाव से कुछ समय के लिए सुरक्षा चाहते हैं। हालांकि ऋण लेने का निर्णय ब्याज दर के साथ-साथ प्रसंस्करण शुल्क, कुल भुगतान और ऋण की पूरी अवधि की लागत को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

स्वास्तिक के दोनों ओर दो रेखाएं क्यों बनाई जाती हैं? जानिए धार्मिक मान्यता

हिंदू धर्म में स्वास्तिक को शुभता, मंगल और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। पूजा-पाठ, गृह प्रवेश, विवाह, दीपावली और अन्य शुभ अवसरों पर घर के मुख्य द्वार, पूजा स्थल या कलश पर स्वास्तिक बनाने की परंपरा है। कई जगह स्वास्तिक के दोनों ओर दो सीधी रेखाएं भी बनाई जाती हैं। इन रेखाओं को लेकर अलग-अलग क्षेत्रों में अलग धार्मिक मान्यताएं प्रचलित हैं। स्वास्तिक का धार्मिक महत्व- स्वास्तिक शब्द संस्कृत के 'सु' और 'अस्ति' से जुड़ा माना जाता है, जिसका भावार्थ शुभ या कल्याण से संबंधित है। इसकी चार भुजाओं को कई परंपराओं में चार दिशाओं, चार वेदों, चार पुरुषार्थों या जीवन के विभिन्न आधारों से जोड़ा जाता है। दोनों ओर की दो रेखाओं का क्या अर्थ है?- स्वास्तिक के दोनों ओर बनाई जाने वाली दो रेखाओं की कोई एक सर्वमान्य धार्मिक व्याख्या नहीं है। अलग-अलग परंपराओं में इन्हें अलग अर्थों से जोड़ा जाता है। कुछ मान्यताओं के अनुसार ये रेखाएं सुरक्षा और सकारात्मक ऊर्जा की सीमा का प्रतीक मानी जाती हैं। वहीं कुछ स्थानों पर इन्हें स्वास्तिक की शुभ शक्ति को संतुलित करने वाले प्रतीक के रूप में देखा जाता है। कुछ धार्मिक परंपराओं में दो रेखाओं को सुख-समृद्धि और शुभ-लाभ से भी जोड़ा जाता है। हालांकि इन अर्थों का आधार मुख्य रूप से लोकपरंपरा और धार्मिक मान्यता है।

भारतीय बाजार में लौटा विदेशी पैसा, एफपीआई ने की जमकर खरीदारी, ये है वजह

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों का भरोसा एक बार फिर बढ़ता दिखाई दे रहा है। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने अगस्त 2026 के पहले सप्ताह में भारतीय शेयरों में करीब 12,921 करोड़ रुपये का निवेश किया। इससे पहले जुलाई में भी विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार में करीब 20,200 करोड़ रुपये लगाए थे।

लगातार दूसरे महीने खरीदारी

विदेशी निवेशकों की यह खरीदारी बाजार के लिए सकारात्मक संकेत मानी जा रही है। पिछले कुछ समय में वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों, ब्याज दरों और भू-राजनीतिक तनाव के कारण विदेशी निवेशकों के रुख में उतार-चढ़ाव देखने को मिला था। अब भारतीय बाजार में उनकी खरीदारी बढ़ने से निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ है।

भारत की आर्थिक मजबूती बनी आकर्षण

भारतीय अर्थव्यवस्था की अपेक्षाकृत मजबूत वृद्धि, कंपनियों की कमाई में सुधार की उम्मीद और घरेलू मांग विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षण का प्रमुख कारण हैं। इसके अलावा भारतीय बाजार में कई क्षेत्रों में दीर्घकालिक वृद्धि की संभावनाएं भी विदेशी



पूंजी को आकर्षित कर रही हैं।

रुपये और वैश्विक बाजार का भी असर

विदेशी निवेशक किसी बाजार में पैसा लगाने से पहले मुद्रा की स्थिति, अमेरिका की ब्याज दरों, वैश्विक बाजारों की दिशा और कच्चे तेल की कीमतों पर भी नजर रखते हैं। इन कारकों में बदलाव का असर भारत में विदेशी निवेश के प्रवाह पर पड़ सकता है।

आगे भी जारी रह सकती है खरीदारी

यदि वैश्विक परिस्थितियां अनुकूल रहती हैं और भारतीय कंपनियों के वित्तीय परिणाम मजबूत बने रहते हैं तो विदेशी निवेशकों की खरीदारी आगे भी जारी रह सकती है। हालांकि शेयर बाजार में विदेशी निवेश बढ़ना तेजी की गारंटी नहीं है। निवेशकों को बाजार की अस्थिरता और अपने जोखिम को ध्यान में रखकर ही निवेश का निर्णय लेना चाहिए।

नाग पंचमी पर घर में ऐसे करें नाग देवता की पूजा, जानिए सरल विधि

हिंदू पंचांग के अनुसार नाग पंचमी का पर्व 17 अगस्त 2026, सोमवार को मनाया जाएगा। इस दिन भगवान शिव के साथ नाग देवता की पूजा करने की परंपरा है। मान्यता है कि नाग पंचमी पर श्रद्धापूर्वक पूजा करने से नाग देवता की कृपा प्राप्त होती है और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है।

सुबह स्नान के बाद करें पूजा की तैयारी- नाग पंचमी के दिन सुबह स्नान करके स्वच्छ वस्त्र पहनें।

पूजा स्थल को साफ करके वहां भगवान शिव और नाग देवता का चित्र या प्रतिमा स्थापित करें। पूजा से पहले मन में श्रद्धापूर्वक व्रत और पूजा का संकल्प लिया जा सकता है।

ऐसे करें नाग देवता की पूजा- सबसे पहले भगवान गणेश का स्मरण करें। इसके बाद नाग देवता का ध्यान करते हुए जल अर्पित करें। पूजा में फूल, अक्षत, रोली, चंदन और धूप-दीप अर्पित किए

जा सकते हैं। इसके बाद नाग देवता की आरती करें और परिवार की सुख-शांति की कामना करें। भगवान शिव की पूजा करना भी इस दिन विशेष माना जाता है। शिवलिंग पर जल और बेलपत्र अर्पित करके भगवान शिव का स्मरण किया जा सकता है। क्या चढ़ाएं?- नाग पंचमी की पूजा में सामान्यतः फूल, अक्षत, चंदन, धूप, दीप और फल अर्पित किए जाते हैं। कई परंपराओं में दूध अर्पित करने की मान्यता

भी है। हालांकि जीवित सांपों को दूध पिलाना उचित नहीं है, क्योंकि इससे उनके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंच सकता है। घर पर पूजा करते समय रखें ध्यान- नाग पंचमी पर पूजा के लिए किसी जीवित सांप को पकड़कर घर लाने या उसे परेशान करने से बचना चाहिए। नाग देवता की पूजा प्रतीकात्मक रूप से चित्र, प्रतिमा या शिवलिंग के माध्यम से श्रद्धापूर्वक की जा सकती है।

व्हाइट हाउस में बड़ा फेरबदल, ट्रंप के भरोसेमंद वकील विल शार्फ बने चीफ काउंसल

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में बड़ा प्रशासनिक बदलाव किया है। ट्रंप ने अपने वकील विल शार्फ को नया व्हाइट हाउस काउंसल और राष्ट्रपति का सहायक नियुक्त किया है।

शार्फ 1 सितंबर 2026 से मौजूदा काउंसल डेविड वॉरिंगटन की जगह जिम्मेदारी संभालेंगे। ट्रंप ने की शार्फ की तारीफ- ट्रंप ने विल शार्फ की नियुक्ति की घोषणा करते हुए उनकी क्षमता की प्रशंसा की। उन्होंने शार्फ को मजबूत, बुद्धिमान और भरोसेमंद



वकील बताया। ट्रंप प्रशासन में शार्फ पहले भी कई महत्वपूर्ण कानूनी मामलों

में राष्ट्रपति की ओर से भूमिका निभा चुके हैं।

कानूनी मामलों में निभाई अहम भूमिका

विल शार्फ ट्रंप के कानूनी मामलों से जुड़े मामलों में सक्रिय रहे हैं। उनके अनुभव को देखते हुए व्हाइट हाउस की कानूनी रणनीति में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण मानी जा रही है। नए पद पर वह राष्ट्रपति को कानूनी और संवैधानिक मामलों पर सलाह देने के साथ प्रशासन के महत्वपूर्ण कानूनी मामलों की निगरानी करेंगे। डेविड वॉरिंगटन की जगह लेंगे- शार्फ मौजूदा व्हाइट हाउस काउंसल डेविड

वॉरिंगटन का स्थान लेंगे। 1 सितंबर से नई जिम्मेदारी संभालने के बाद वह राष्ट्रपति कार्यालय के कानूनी कामकाज में प्रमुख भूमिका निभाएंगे।

ट्रंप प्रशासन में बड़ा प्रभाव-विल शार्फ की नई नियुक्ति को ट्रंप के कानूनी मामलों में उनके प्रति बढ़ते भरोसे के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। व्हाइट हाउस के सामने राष्ट्रपति के कार्यकारी अधिकार, प्रशासनिक फैसलों और विभिन्न कानूनी विवादों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। ऐसे में नए काउंसल की भूमिका आने वाले समय में काफी महत्वपूर्ण हो सकती है।

‘शुद्ध पेट्रोल तुम्हारे बाप के घर से आएगा?’ एथेनॉल के विरोध पर भाजपा सांसद जनार्दन मिश्रा के बिगड़े बोल



भोपाल। एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को लेकर चल रही बहस के बीच मध्य प्रदेश के भाजपा सांसद जनार्दन मिश्रा का बयान विवादों में आ गया है। उन्होंने एथेनॉल मिश्रण का विरोध करने वालों पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा, “शुद्ध पेट्रोल तुम्हारे बाप के घर से आएगा?”

एथेनॉल से नुकसान के दावे पर क्या बोले?- जनार्दन मिश्रा ने कहा कि विशेषज्ञों की राय के अनुसार पेट्रोल में

निर्धारित मात्रा में एथेनॉल मिलाने से वाहनों के इंजन को नुकसान नहीं होता। इसके बावजूद कुछ लोग इसका विरोध कर रहे हैं और शुद्ध पेट्रोल की मांग कर रहे हैं। उन्होंने एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के विरोध को बेवजह बताते हुए कहा कि देश में ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने और पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता कम करने के लिए वैकल्पिक ईंधन को बढ़ावा देना जरूरी है।

बयान पर उठे सवाल- सांसद के इस बयान को लेकर राजनीतिक और

सामाजिक स्तर पर सवाल उठने लगे हैं। आलोचकों का कहना है कि ईंधन की गुणवत्ता, वाहन के इंजन पर प्रभाव और उपभोक्ताओं की लागत जैसे मुद्दों पर सवाल पूछना लोकतांत्रिक अधिकार है। ऐसे में जनप्रतिनिधि से उम्मीद की जाती है कि वह सवालों का जवाब तथ्यों और संयमित भाषा में दें।

एथेनॉल मिश्रण पर क्यों है बहस?- पेट्रोल में एथेनॉल मिलाने का उद्देश्य पेट्रोलियम आयात पर निर्भरता कम करना, घरेलू स्तर पर उत्पादित ईंधन का इस्तेमाल बढ़ाना और कृषि क्षेत्र से जुड़े उत्पादों के लिए अतिरिक्त बाजार तैयार करना है। हालांकि अलग-अलग वाहनों की ईंधन अनुकूलता और मिश्रण की मात्रा को लेकर उपभोक्ताओं में लगातार चर्चा बनी हुई है। जनार्दन मिश्रा का यह बयान इसी बहस के बीच सामने आया है और उनकी तीखी भाषा ने एथेनॉल के तकनीकी मुद्दे को एक बार फिर राजनीतिक विवाद में बदल दिया है।

मैं शेर हूँ; E-20 पेट्रोल को लेकर अरविंद केजरीवाल का पीएम मोदी पर तंज

केजरीवाल ने वीडियो में एक चुटकुले का जिक्र करते हुए कहा कि E-20 पेट्रोल को देश में किस तरह लागू किया जा रहा है, इसे इसी उदाहरण से समझा जा सकता है।

उन्होंने बताया कि एक काल्पनिक प्रतियोगिता में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पुलिस टीमों को जंगल में छोड़े गए शेर को खोजने का काम दिया गया। चुटकुले में ट्रंप की पुलिस 24 घंटे में शेर को ढूंढ लाती है, जबकि पुतिन की पुलिस एक घंटे में उसे खोज लेती है। इसके बाद मोदी की पुलिस को भेजा जाता है, लेकिन कई दिनों तक वह वापस नहीं लौटती। बाद में जब लोग जंगल में उन्हें खोजने

जाते हैं तो कथित तौर पर पुलिस एक कुत्ते को पकड़कर उससे जबरन यह कहलवाने की कोशिश कर रही होती है कि वह शेर है। केजरीवाल ने दावा किया है कि केंद्र सरकार ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में E-20 ब्लेंडेड पेट्रोल कार्यक्रम लागू किया है। उनका आरोप है कि इस नीति का उद्देश्य अमेरिका से बड़े पैमाने पर एथेनॉल आयात का रास्ता तैयार करना है। हालांकि, इस दावे के समर्थन में उन्होंने कोई आधिकारिक दस्तावेज या साक्ष्य सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत नहीं किया है। AAP प्रमुख ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार ने आवश्यक बुनियादी ढांचे (इन्फ्रास्ट्रक्चर) को अपग्रेड किए बिना और मौजूदा वाहनों को अधिक एथेनॉल मिश्रित ईंधन के अनुकूल बनाए बिना E-20 नीति को जल्दबाजी में लागू कर दिया। उनके अनुसार, इससे वाहन मालिकों को तकनीकी और आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

Independence Day 2026: स्वतंत्रता दिवस से पहले दिल्ली में हाई अलर्ट

अधिकारियों के अनुसार, लाल किले और आसपास के संवेदनशील क्षेत्रों में दिल्ली पुलिस की विभिन्न इकाइयों, अर्धसैनिक बलों, कमांडो दस्तों और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG) की विशेष टीमों को तैनात किया गया है। किसी भी संभावित खतरे से निपटने के लिए प्रशिक्षित स्नाइपर्स और विशेष ‘हिट टीम’ भी रणनीतिक स्थानों पर मौजूद रहेंगी। सुरक्षा व्यवस्था को तकनीकी रूप से मजबूत बनाने के लिए करीब 1,000 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।

इन कैमरों को एकीकृत निगरानी प्रणाली से जोड़ा गया है, जिससे हर गतिविधि पर रियल टाइम नजर रखी जा सके। इसके अलावा फेशियल



रिकग्निशन सिस्टम (FRS) और ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (ANPR) सिस्टम भी सक्रिय किए गए हैं, जिनकी मदद से संदिग्ध

व्यक्तियों और वाहनों की पहचान तुरंत की जा सकेगी।

DCP नॉर्थ राजा बाठियां के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था में दिल्ली पुलिस की

विभिन्न इकाइयों को शामिल किया गया है। इनमें ट्रैफिक यूनिट, नॉर्थ डिस्ट्रिक्ट पुलिस टीम, स्थानीय थाना पुलिस, पीसीआर यूनिट, स्पेशल ब्रांच, स्पेशल सेल और अन्य सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है। सभी इकाइयों को समन्वित तरीके से काम करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। उन्होंने बताया कि दिल्ली पुलिस के अलावा अर्धसैनिक बलों की कई कंपनियां, कमांडो दस्ते और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG) की विशेष टीम भी सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा होंगी।

संवेदनशील स्थानों पर स्नाइपर्स और विशेष ‘हिट टीम’ तैनात की जाएंगी, जो किसी भी संभावित खतरे

से तत्काल निपटने के लिए तैयार रहेंगी। आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF) की टीम भी तैनात रहेंगी। इसके अलावा क्विक रिएक्शन टीम (QRT) को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण स्थानों पर लगाया जाएगा, ताकि किसी भी घटना पर तुरंत प्रतिक्रिया दी जा सके। सुरक्षा व्यवस्था को तकनीकी रूप से भी मजबूत किया गया है। लाल किले और उसके आसपास करीब 1,000 सीसीटीवी कैमरे, फेशियल रिकग्निशन सिस्टम (FRS) और ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (ANPR) सिस्टम सक्रिय किए गए हैं। इनकी मदद से लोगों और वाहनों की निगरानी रियल टाइम में की जाएगी।